* G L - 0 1 4 0 0 9 *

GL-014009 Seat No._____

B. A. (Sem. IV) Examination

March / April - 2019

BAOOE-408 : Hindi EC

(निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

१ आ. शुक्लजी का साहित्यिक परिचय देते हुए उनके 'साहित्य का स्वरूप' निबंध की विवेचना कीजिए । १४

अथवा

१ आ. नन्ददुलारे बाजपेयी लिखित 'साहित्य और जीवन' निबंध का सारांश लिखिए । १४

२ 'नाखून मनुष्य की बढ़ती पाश्विक वृत्ति का जीवंत प्रतीक है' – प्रस्तुत कथन की नाखून क्यों बढ़ते हैं ? निबंध के आधार पर समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

२ जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए । १४

३ 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य में निरूपित प्रमुख समस्याओं का निरूपण कीजिए । १४

अथवा

३ 'अतिथि ! तुम कब जाओगे' व्यंग्य के सारांश को लिखिए । १४

४ (अ) संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : ७

गौरा के प्रति महादेवी की मनोव्यथा

अथवा

डो विद्यानिवास मिश्रजी का मातृभूमि प्रेम

(ब) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : ७

''शहर में रहकर भी अगर शहरी तटस्थता से उबरा हुआ हूँ, तो बस गाँव में, उस परिवेश में पलने का ही फल है ।''

अथवा

''मैंने पहलीबार जाना कि अतिथि केवल देवता नहीं होता । वह मनुष्य और कई बार राक्षस भी हो सकता है ।''

५ सूचनानुसार कीजिए : १४

(अ) सही विकल्प पसंद कर के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(१) व्यंजना ..... प्रकार की मानी गई है ।

(एक, दो, तीन)

(२) वड्र्सवर्थ का संबंध ..... देश से हैं ।

(फ्रांस, इंग्लेण्ड, अमरिका)

(३) ..... की निबंधशैली प्रौढ़ गरिमामय और मनोरंजक है ।

(आ. शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी)

(४) 'अतीत के चलचित्र' रेखाचित्र की लेखिका ..... है ।

(सुभद्राकुमारी चौहान, महादेवी वर्मा, मन्नु भंडारी)

(५) जयशंकर प्रसाद ..... युग के प्रसिद्ध कवि थे ।

(द्विवेदीयुग, छायावाद, प्रगतिवाद)

(ब) सही (✓) अथवा गलत (×) के निशान कीजिए :

(१) प्रसादजी कभी किसी कवि सम्मेलन में नहीं जाते ।

(२) वाल्टर पीटर कलावादी समीक्षक थे ।

(३) गौरा के बछड़े का नाम लालमणि था ।

(४) भोलाराम की मृत्यु कैंसर से हुई थी ।

(५) अतिथि लेखक के घर चार दिनों से निवास कर रहे थे ।

(क) उचित जोड़ मिलाइए :

(अ)	(ब)
(१) मेरा गाँव – घर	(१) शिवपूजन सहाय
(२) महाकवि जयशंकर प्रसाद	(२) विद्यानिवास मिश्र
(३) भोलाराम का जीव	(३) शरद जोशी
(४) अतिथि ! तुम कब जाओगे	(४) हरिशंकर परसाई